झारखंड ने उच्च शिक्षा के लिये योजनाएँ शुरू कीं

चर्चा में क्यों?

राँची के ताना भगत स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में झारखंड के मुख्यमंत्री ने**छात्रों की उच्च शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने** के उद्देश्य से **दो योजनाएँ पेश कीं।**

- दो योजनाएँ हैं **गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड और मानकी मुंडा छात्रवृत्ति।**

मुख्य बिंदु:

- **गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना** के तहत, छात्र **4% की वार्षिक ब्याज दर के साथ 15 लाख रुपए तक का संपार्श्विक-मुक्त शिक्षा ऋण प्राप्त कर सकते हैं।**
  - ऋण का पुनर्भुगतान पाठ्यक्रम पूरा होने के एक वर्ष बाद शुरू होता है, जिसमें सरकार गारंटर के रूप में कार्य करती है।
- **मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना** के तहत **छात्राओं को डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिये 15,000 रुपए प्रति वर्ष और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिये 30,000 रुपए प्रति वर्ष मिलेंगे।**
- उन्होंने **मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना** का भी उल्लेख किया, जो **छात्रों को 2,500 रुपए का मासिक स्टाइपेन्ड प्रदान** करने वाली योजना है।
  - इस स्टाइपेन्ड का उद्देश्य **कोचिंग के दौरान रहने वाले खर्चों को कम करना है** , यह सुनिश्चित करना है कि वित्तीय बाधाएँ शैक्षिक गतिविधियों में बाधा न डालें।
- मुख्यमंत्री ने राँची में **क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र में एक नवनिर्मित 3D थियेटर का उद्घाटन किया** , जिससे राज्य में शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने के लिये सरकार की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया गया।

मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना

- यह योजना **राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं** , जैसे- JEE, NEET, CLAT, NHMCET, NIFT-CET आदि की तैयारी करने वाले छात्रों को मुफ्त कोचिंग प्रदान करती है।
- छात्रों को संपूर्ण पाठ्यक्रम अवधि के लिये **2500/- रुपए की मासिक सहायता राशि** भी प्राप्त होगी।
- छात्रों का चयन उनके 10वीं कक्षा के अंकों के आधार पर होगा और कोचिंग संस्थानों में प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jharkhand-introduces-schemes-for-higher-education